निबंध प्रतियोगिता

"स्वतंत्र भारत@75 : सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता"

हम भारतीयों ने आदि काल से हि अपनी मातृभूमी कि सूरक्षा एवं संरक्षा सत्यनिष्ठा से अपने प्राणो कि आहूति दे रहे हि है। चाहे वो हमारे वीर सैनीक हो या फिर भामाशाह जैसे नागरिक। जीन्हें ने विश्व के मानचित्र पर भारत भुमि कि अलग पहचान बनायी है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत हम अपने अथक प्रयास एवं इमानदारी से भारत को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बना रहे है। भारत ने बहुत से क्षेत्रों मे तरक्की करके कोरोना वायरस से सफल लड़ाई लड़ी, डिजिटल इंडिया मुहीम ने भारत को आत्म निर्भर बनने मे मदद की और कोविड-19 से मुकाबला करने मे सक्षम बनाया।

ऑनलाइन ठेका प्रणाली, GeM Portal, PIDPI कानून, सतर्कता विभाग, C.P. Gram Portal जागो ग्राहक जागो कैंपेन से समृद्ध भारत कि नीव तैयार कर रहे हैं।

सशक्त आत्मनिर्भर भारत के लीए मे सुझाव एवं विचार

* राष्ट्र भाषा एवं क्षेत्रीय भाषा की प्राथमीकता :-

राष्ट्र भाषा हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषा जो आमजन द्वारा लीखी - बोली जाती है अौर हि सभी सरकारी कार्य, टेन्डर, नियम, नियम एवं शर्तें, उत्पाद कि जानकारी प्रकाशित किये जाए, आम जन अंग्रेजी एवं अन्य अलोकप्रिय / अप्रचलित भाषा कि जानकारी ना होने पर

P.T.O (1)

किसी बिचौलीए के पास जाते हैं एवं कभी के शिकार बनते हैं उन्हें सरकारी कार्य कराने के लीए कमीशन या रिश्वत देना पड़ता है जीसे निनित कर दूर किया जाना चाहिए।

" जब राष्ट्र भाषा हिन्दी है तो सरकारी / और सरकारी नियम एवं शर्तें, उत्पादन, वेबसाइट अंग्रेजी में क्यों ")

★ GeM पोर्टल कि व्यवहारिकता एवं कार्य में सुधार :—

सरकारी विभागों में उपयोग आने वाले वस्तु एवं सेवाओं केलीए भारत सरकार ने GeM पोर्टल से खरीदारी एवं सेवा लेना अनीवार्य कर दिया है। परंतु सभी वस्तू एवं सेवाओं का आसानी से व्यवहारिकता जैसे कि वस्तू खरीदने के बाद स्थापन इत्यादि सेवा का ना होना, इस पोर्टल से ईमानदार कर्मचारियो के कार्य पर बाधा डालते हैं एवं बेईमान इसका लाभ उठा लेते हैं। अत: इसमे सुधार लाने कि आवश्यकता है।

★ इन्फ्रांस्ट्रकचर को मजबूत करने कि आवश्यकता :—

मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत देश को आत्मनिर्भर बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है जिससे विदेशी निवेश के साथ भारत कि औद्योगिक उन्नती के अध्याय लीखें जा रहे हैं। परन्तु इन्फ्रांस्ट्रकचर की कमी कि वजह से हम कछुए कि अंती धीमी गति से चल रहे हैं। विश्व पटल पर उभरने एवं अन्य विकसित देशों से आगे बढ़ने के लीए अतिरिक्त

उछाल कि आवश्यकता है, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किये बिना संभव नही है।

★ नव कल्यो में देश भक्ति एवं ईमानदारी कि भावना जाग्रत करना :-

बच्चो, युवाओ एवं नागरिको मे देशभक्ति एवं ईमानदारी कि भावना के बिना हम देश कि उन्नती नही कर सकते।
देश भक्ति एवं ईमानदारी जब तक नागरिको मे आत्मिक स्वभाव के रूप मे नही आयेगी और नियम / कानून, सतर्कता विभाग भी अपने कार्य सूचारू रूप से नहीं कर पायेंगे। ईमानदार व्यक्तित्व से हि सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

★ आधुनिकिकरण :-

पूराने जर्जर पड़ चूके व्यवस्था का आधुनिकीकरण कर के रवत प्रयोगो पर अंकुश लगाया जा सकता है। चाहे वो पूराने पड़ चूके सरकारी पॉलीसी / नियम-कानून हो या वस्तु और सेवा जैसे कोई पूरानी जर्जर हो चूकी सामग्री को सरकारी नियम के कारण नया न खरीद कर उसकी बार-बार मरम्मती करायी जाये और इस तरह नये से ज्यादा पूराने मे खर्च कर दिये जाए।

★ कानून का सख्ताई से पालन :-

सरकार एवं कानूनी एजेंसियों को योग्य कानून बना कर उसका सख्ती से पालन कराना आवश्यक है। अगर कानून योग्य ना हो तो वो नागरिकों एवं ईमानदार कर्मीयों का शोषण करती है तथा बेईमानों को आश्रय प्रदान करती है।

सरकार द्वारा कैशलेश टेक्नॉलॉजी, दस्तावेजों का डिजीटल संग्रहण एवं प्रकाशन इसमें उदाहरण तथा उत्कृष्ट कदम है।

★ शिक्षा नीति मे नैतिकता का समावेश :—

सरकार को शिक्षा नीति मे नैतिकता का समावेश करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम विकसित कर प्रयोग करना चाहिए जिससे आमजन मे नैतिकता का समावेश हो।

"चाबूक के भय से किसी को एक समय तक ईमानदार बनाया जा सकता है परन्तु जब व्यक्ति कि आत्मा ईमानदार हो तो उसे कोई पथभ्रष्ट नही कर सकता।

इस प्रकार हम सब एक जुट होकर " आजादि के 75 वें वर्ष का हर्षो-उल्लास अपनी सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता कि ओर " अपनी दृढ संकल्पना से मना सकते है।

शिव शंकर कुमार सोनी
क.स. - 6301, गोरखपुर रेंज.

RAJAN
(NZ/Finance)

स्वतंत्र भारत @ 75 : सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भर

परिचय : जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हम सभी हैं स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष मना रहे हैं हमारा प्रधानमंत्री 'पहले ही लॉन्च कर चुके हैं' 'आत्मनिर्भर' सर्वश्रेष्ठ निबंध भारत अभियान) हमारे देश को बनाने के लिए आत्मनिर्भर। लेकिन आज के समय में 'ईमानदारी' बनाने के लिए सेल्फ रिलायंस कॉन्सेप्ट के साथ जोड़ा जाए।

भारत सतर्कता और समृद्ध ईमानदारी है कि हम कैसे जीने और जीने का फैसला किया 'बिना हमारे जीवन' दूसरों के हित की बात करना। एक विस्मयकारी आदमी सही ट्यूसन लेंगे और चुनेंगे रास्ता जो किसी को नुकसान न पहुंचाए। ईमानदारी से: एकता सदाचार स्वतंत्रता रीढ की हड्डी धारणा के खिलाफ खड़े हो जाओ, करने की शक्ति सही चीज चुनें आदि जोड़े और फॉर्म करें अखंडता।

इंडिपेंडेंट - इंडिया : ईमानदारी के साथ आत्म निर्भरता 2012 में), हम मनाए जाते हैं 75 वां स्वंतत्रता दिवस। हमने मनाया "आजादी का अमृत महोत्सव" जो की एक पहल है जश्न मनाने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार - प्रगतिशील की आजादी के 75 साल पूरे करें भारत और इसके लोगों का गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियां। इसलिए स्वंय का विचार इस उपयुक्त समय पर विश्वसनीय भारत की कल्पना की गई थी!!

सेल्फ रिलायंस ,elfance, और अखंडता सही तरीका है। भारत को महान बनाने के लिए" देश के लिए आत्मनिर्भर ही विजन है।

उन गतिविधियों की ओर जो "स्व - सहायक" है आर्थिक दृष्टि से और पर निर्भरता का संकेत देते है।

ससांधन और साधन होने के कारण समाप्त। लेकिन एक आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का निर्माण किसके द्वारा किया जाता है। एक की संपत्ति के रूप में आत्मनिर्भर नागरिक राष्ट्र अपने बीओपन की ड्राइव और रचनात्मकता से निकला है।

आत्मनिर्भरता और अखंडता का महत्व। आत्मनिर्भर भारत पिछले 75 में सबसे मजबूत है।

अमृत महोत्सव की भावना, चिह्नित करने के लिए आजादी की भावना संप्रभुता और अमरता" जो कहा गया है। नहीं है। कोई भारत के लिए नई या आधुनिक भावना उद्देश्य है देश को अपना बनाना नागरिक हर तरह से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर वफादारी को एक माना जाता है। आने वाले मूल्यों का जो प्रोत्साहित करने में सहायक है। व्यक्तियों की उचित वृद्धि और विकास समाज। सत्यनिष्ठ पुरुष व्यक्ति शांतिपूर्ण और खुश है। क्योंकि उनके पास नहीं है। सच को बचाने के लिए दूसरों से झूठ बोलना, जो बनाता है। उन्हे अपराध - मुक्त देश की एकता और अखंडता के लिए राष्ट्रीय स्वाभिमान महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष:- एक आत्मनिर्भर और एकीकृत भारत देश को अदंर की और मोड़ना नही है। या में एक अलगाववादी राष्ट्र, लेकिन दुनिया को गले लगा रहा है। मजबूत होकर। आत्मनिर्भर और स्वतंत्र भारत के पास दुनिया को देने के लिए और भी बहुत कुछ होगा। इसलिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

आत्मनिर्भर, प्रतिरोधी और गतिशील ईमानदारी के साथ जो हमारे अमीरों का गौरव प्रदान करता है। विरासत भारत का इतिहास अपने आप मे अनूठा है, हमारा देश प्राचीन समय में सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। किंतु ब्रिटिश सरकार ने इसकी जड़े खोखली ही नही की बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को जड़ से उखाड़ फैंका था।

विभिन्न अथक प्रयासों के उपरांत हमें 15 अगस्त 1947 ई मे आजादी प्राप्त हुई. वर्तमान समय में हम अपना 75 वा स्वतंत्रता दिवस मना रहे है। आज भारत की पहचान दुनिया भर मे एक सशक्त राष्ट्र के रूप मे हो रही है। जब भारत आजाद हुआ तो हमारे पूर्वजों ने कई सपने देखे थे जो कि कई हद तक आज पूर्ण भी हो रहें किंतु पूर्णत: रूप से अभी भी हम देशवासियों को उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करने होगे. आज भारत विकासशील देशों में गिना जाता है। जो कि विकसित देशो की तरफ अग्रसर हो रहा है। यदि आजादी के 75 साल बाद हम भारत का स्वरूप पूर्णत: बदलना चाहते है तो इसके लिए आत्मनिर्भर भारत का होना अत्यंत आवश्यक है" भारत को विकसित जल्द ही, केवल आत्मनिर्भरता का पथ है। हल की" एक व्यक्ति का सबसे बड़ा गुण आत्मनिर्भरता का पथ है आत्मनिर्भर का अर्थ एक व्यक्ति विशेष को किस और सहारे न रहकर अपने स्वंय के सहारे रहना चाहिए.

1947 मे जब देश आजाद हुआ, राष्ट्रपति महात्मा गाँधी जी ने स्वदेशी वस्तुओ के उपयोग पर बल दिया व आत्मनिर्भर भारत बनाने का सपना देखा परंतु बडी विडंबना है कि आजादी के 75 साल बाद भी भारत सपने से अछूता रहा है। वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया गया जिसका उद्देश्य भारत को अपने पैरों पर खड़ा कर विकसित देश बनाना है। आत्मनिर्भर प्राप्त करने हेतु हर व्यक्ति का सत्य निष्ठा होना अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि कहा भी जाता है। कि सत्य निष्ठा व मेहनत से किया गया हर कार्य सफल होता है और उसका फल भी अवश्य मिलता है।

सत्य निष्ठा का अर्थ है सत्य की राह पर चलना चाहे रास्ता कितना भी कठिन हो सत्य निष्ठा के साथ आत्मनिर्भरता का कदम बढ़ाना देश को अलग ऊचाई पर पहुचा सकता है। हमेशा सत्य के आधार पर चलने वाले व्यक्ति को कभी पराजय का मुँह नही देखना पड़ता है। अगर हम सत्य निष्ठा का सहारा लेकर आत्मनिर्भर की ओर अपने कदम बढ़ाए तो देश को रोजगार उपलब्ध होगा, देश में भ्रष्टाचार का विनाश होगा व हर क्षेत्र में पारदर्शिता आएगी।

सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भर बनना एक व्यक्ति ही नही अपितु संपूर्ण राष्ट्र के लिए कारगर साबित होगा और फिर वह दिन दूर नही जब संपूर्ण राष्ट्र विकसित देश के रूप मे गिना जाएगा और भ्रष्टाचार का नाम देश से उखाड़ फेक दिया जाएगा.

सत्यनिष्ठा से "आत्मनिर्भरता" की तरफ बढ़ना ही सही मायने में भारत को विकसित करना है।